



॥ श्री अन्नपूर्णा माता की आरती ॥
॥ ॐ अन्नपूर्णायै नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री अन्नपूर्णा माता की आरती ॥

जय अन्नपूर्णा जगदम्बे, जय अन्नपूर्णा माँ।
अन्न-धन की दात्री माता, पूर्ण करो सब काम॥॥

काशीपुरी में विराजो माता, शिव की प्राण पियारी।
दीन-दुखी पर कृपा बरसाओ, जग की पालनहारी॥॥

अन्नपूर्णा अम्बे भवानी, करुणा की हो धारा।
भूखे जन के जीवन में माँ, भर दो अन्न भंडारा॥॥

स्वर्ण पात्र में अन्न सजाकर, सबको प्रेम खिलाती।
भक्ति-भाव से जो भी ध्यावे, उसकी लाज बचाती॥॥

धन-धान्य से भर दो माता, सुख-समृद्धि देना।
ज्ञान, विवेक, भक्ति का अमृत, जीवन में भर देना॥॥

रोग-शोक सब दूर भगाओ, संकट हरने वाली।
शरण पड़े जो चरण तुम्हारे, उसकी हो रखवाली॥॥

शिव भी माँ का यश गाते हैं, भिक्षा तुमसे पाई।
जग में अन्न का महत्त्व बताकर, महिमा जग फैलायी॥॥

आरती जो नित्य सुनावे, श्रद्धा सहित जो गावे।
अन्नपूर्णा माँ की कृपा से, सुख-वैभव सब पावे॥॥

॥ आरती समाप्त ॥